

बनीं दुर्गा से काली, तुम्हारी महिमा जग से निराली

सब देवों ने मिल खे पुकारो
बन शक्ति मर्कट हम खों तारो
फिर एकटी सिंगावाली

तुम्हारी महिमा-----

बनीं दुर्गा से-----

रक्तबीज दानव बलशाली
दानव सेना की करे रखवाली
बनीं नुरतई-मैया काली

तुम्हारी महिमा-----

बनीं दुर्गा से-----

रक्तबीज जब माया चलावे
दानव सेना देवों को खावे
फिर तो बनी खप्परवाली

तुम्हारी महिमा-----

बनीं दुर्गा से-----

एक बूँद से सौ-सौ दानव होवें
मैया के उर से दानव रोवें
रन में चले मतवाली

तुम्हारी महिमा---

बनीं दुर्गा सें----

सौ-सौ दानव. खाये वू मैया
पार लगायें देवों की नैया
मुण्डों की माला नहीं खाली

तुम्हारी महिमा----

बनीं दुर्गा सें----

मैया तुम्हारी हम पूजा ने जाने
भक्ति ने जाने-मैया युक्ति ने जाने
करियो सदा रखवाली

तुम्हारी महिमा----

बनीं दुर्गा सें----

हर जन्मों में- तुम्हें पुकारें
रो-रो तेरे चरण पखारें
दास "श्री बाबा श्री" आया खाली

तुम्हारी महिमा----

बनीं दुर्गा सें----